भुगण्डचा.

මාඩන්න්.

ತ್ರಾವಾಭ್ಯಕ್ಷಣ.

n. నop.

क्षिण्यश्चर्या ।

ঞ্চিত্ৰ ভাৰত প্ৰতিভাৱি । ভাৰত ভাৰত ভাৰত প্ৰতিভাৱি ।

আতাননিমানকাজনাঞ্চুননিমানাতাত। তাত্ৰাক্ষাকাজনাতাতা ক্ষাৰ্থকাজনাতাতা

क्राव्यक्रक्रिक्रिक्रिक्र वित्र

राज्ञां ॥ (स्यायेक के कितायेक के कितायेक कितायेक विकास

स्वार्टि ए विश्वा किया विश्व

इन्ना किल्ला के किल्ला के इस

। ভিষ্ণি দেন ক্রিন্ত ক্রিন

হ্যব্যত্ত গুরুহ্ম ক্রান্ত প্রকর্ম

॥ ह्या । स्या व्यक्तिक व्यक्तिक के विक्र के स्थानिक विक्र के विक्र के स्थानिक विक्र के स्था

অমর্বার্থার প্রমান্তর্ভার প্রমান্তর্ভার প্রমান্তর্ভার প্রমান পর্যান প্রমান প্র

व्यात्रक्रात्रक्रवित्राचित्र वित्राचित्र क्रिक्ट क्रिया

वित्रचंद्रभ्तरमञ्जू व्यक्तिक

न्य हार हिक के पार्टी प्रमेश स्थान

amiaainhaoosaanhamuashaoaaain ॥ ३ ॥

तस्याभेनदीग्दीग्दीन्य

केराक्छे छेटा हुत्या कि अ

ारकार्यात्र कार्यात्र कार्यात्र अध्यात्र अध्य

প্রস্থান্য প্রতার্থ প্রস্থান কর্

প্রিপ্তর্মত কর্মণ রাজ্য কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম ।।

अक्टान्य कार्याच्या त. संक्र.

দ্রীন্দ্রতার দিন প্রতার বিশ্বর বিশ্

राजिता के विकास के व

স্থানিত তেওঁ ক্রিক্টের ক্রিক্টের বিষ্ণানিত ব

নাতর্ভারতভাগুনারী। নাতরভারতভাগুনার জনতার্ভারত জাতরভাগুনারভারতভাগুনার গুনারভারভাগুরু

কার্যান্ত্রসাম্প্রকার্যার ॥ ১॥ ব্রীক্রার্যার্যাক্র্যার্যার ভার্যার্যার্যার্যার্যার্যার

ন্যাভানর ক্রিত্রা ক্রিন্তার ক্রিত্রা ক্রিন্তার ক্রিন্তার ক্রিন্তার ক্রিন্তার ক্রিন্তার ক্রিন্তার ক্রিন্তার ক্রিন্তার ক্রিন্ত্র ক্রিন্তার ক্রিন্তা

ठाळाकाळाळ्ठीश्वात्स्पराण

তাত্র্যতিত ক্রমান্ত তিক্রানিক্র ক্রমান্ত তিক্রানিক্র ক্রমান্ত তিক্রানিক্র ক্রমানিক্র ক্রমানিক ক্রমানিক

কৃষ্টিআস্থাতার আর্যান্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্র

র্বাধীর বিষ্ণার্ভার প্রত্যার বিষ্ণার্ভার প্রত্যার বিষ্ণার্ভার প্রত্যার বিষ্ণার্ভার প্রত্যার বিষ্ণার্ভার প্রত্যার বিষ্ণার্ভার বিষ্ণার্ভার প্রত্যার বিষ্ণার্ভার বিষ্ণার বি

न्त्र क्षेत्र के विष्ण के विष्

ন্যৰ্নাণ্যত্ত্ব্যন্ত্যৰ্ব্যন্ত্ৰ্যত্ত্বত ভাৰতামাঞ্চন্ত্ৰ্যমান্ত্ৰৰ

আন্তর্যার্জার্জার্জার প্রকার্জার্জার প্রকার্জার প্রকার্জার্জার প্রকার্জার প্রকার্জার প্রকার্জার প্রকার্জার প্রকার্জার প্রকার্জার প্রকার প্রব

ষ্ঠত্বত্যাপূদ্ধভানতভানী নহাত্যা নাম্যা। ভাতভানু প্রত্যাতী নুষ্ঠত্যানভাত ক্ষমনী পুণানিক্তিত

संच्रिति वित्र होति वित्र वित

প্রবিষ্ণরপ্রপ্রজ্যতার্যতি প্রিন্ধরর প্রজ্যতার প্রতিষ্ণার্য প্রতিষ্ণার স্থা প্রতিষ্ণার্য প্রতিষ্ণার্য প্রতিষ

শতারীনভাগপ্রিমার্কর রাজ্যরার্কর বিদ্যান্তর্বার্কর বিদ্যান্ত্র বিদ্যান্ত বিদ্যান্ত বিদ্যান্ত বিদ্যান্ত্র বিদ্যান্ত বিদ্যান্ত্র বিদ্যান্ত বিদ

ক্রী প্রত্যান্ত কর্ম প্রত্যান কর্ম প্রত্যান কর্ম প্রত্যান্ত কর্ম প্রত্যান্ত কর্ম প্রত্যান কর ক্র প্রত্যান্ত

হ্যাল্য প্রমান্ত প্

क्ष्याहरूपार्युग्न विकास के क्ष्याहरू । विकास के क्ष्याहरूपार्थित के क्ष्याहरू ।

भागवं कं कं क्रिक्टा के क्रिक्ट के क्रिक क

ক্রীত্রতার্য প্রতিষ্ঠাত ক্রিক্ত বিশ্বর ব ভারত বিশ্বর বিশ্বর

-9. NOA.

ंस्कृतिया अनुद्धित्य अपाति हात्य । स्वार्य क्षेत्र क्

चंच

মান্তনীনতামান্ডর প্রান্তরীনর্শকাপ্রান্তাগ্রমণ

ব্দারভাতনারীভাষাবদ্যিরভারভার্ন।

ঞারনর্মার তার্রারার্যার্যার্যার্যার্যার্যা

ভীওরহেত্যর ক্রিতার ক্রিটিন ক

या ।

11081

গুতু হাত্ত্ৰ প্ৰতিক্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষিত্ৰ

॥ १८३० व्यक्तिक विकास के अपने क्षेत्र के किल्ला के

জুনিনী প্রতির্ভানী প্রকার্ড প্রতির্ভানী করিছে। তার্যার প্রতির্ভানী করিছিল করিছিল

<u>र्ये व्यक्त</u> में स्वास्त्र के स

नीव्याया के विकास के किया कि कि किया कि कि किया कि किया कि कि किया कि किया कि किया कि किया कि किया कि किया कि क

च्या ठवें व्या श्रेय रहे त्या श्रेय विकास

क्षा ६ ॥ ॥*राक्रमध्याक्रीचार्याक्रमध्याक्रमध्या* ॥ ३ ॥

नेश्वा वित्र के कार्य के कार्य

র্মুগণভাতভাত্রকারনানিত্রকার্যভাতভাত্রকার

__9.

11811

ইপৃণ্ডীনভোনাণুল্যানম্থন ভাতাভোগ্যান্ত

क्षण्या क्षण्य क्षण्या क्षण्य

श्रीचांचांनाणक्रितांचांचेववांचांक्राता। ॥ ॥ ॥ डेन्यांक्रियांक्रेस्यांक्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यांक्रेस्यां

আপ্রামার্যার বিষ্ণার্যার বিষ্ণার বিষ্

ক্রাত্যান্তর্মধার্মর ক্রান্তর্মনার ক্রান্তর ক্রান ক্রান্তর ক্রান

क्रिक्रक्र क्रिक्न क्

ভারর্যুর প্রমান্য প্রমান্ত প্

संवर्णनेत्रीन्याम्यावन्यालक्ष्मान्याविकारी॥ ॥ना

ব্রুয়াত প্রত্যুত্ত প্রত্যুত্ত এ. সাতক. অনাজী পূগল্প তার্যাত প্রান্ত প্রত্যুত্ত নাম কর্মাত প্রত্যুত্ত নাম কর্মাত প্রত্যুত্ত নাম কর্মাত প্রত্যুত্ত কর্মানা কর

অতহাত্য প্রধান ক্রিয়ার ক্রায় ক্রিয়ার ক্

्येत्रास्मा भूति । जिल्लास्मा स्थानिक स

क्राण्य । । विक्रम् विक्रम्

নী প্রতার্ভার বিষ্ণার বিষ্ণা

ক্রীণ্ডবর্মার্ক্সার্ক্রমান্তর্মার্ক্রমার্করর্বর্বর্বর্বর্বর্বরর্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্

র্পার্যার প্রত্যার প বিশ্বর বিশ্বর

भारता होते हेर प्रमात है कि स्वास्त्र के स्

ষ্ট্রিত্যের প্রমান্ত প্রত্যান্ত করে। ব্যাতিক বিশ্বর বিশ্বর

व्याणात्रस्थामण्डाक्ष्मा ।।। ।।।

काश्या भीतामां क्षायत्राय

সুব একাতান কথিনী পূর্ব

কার্যকর্মান্তর্ভারত বার্যকর্মান্তর্ভারত বার্যকর্মান্তর্ভার বার্যকর্মান্

ব্যৱগার্যর বিষ্ণার প্রত্যার প ব্যৱগার্যর প্রত্যার প্

প্রতার্যার্ক্তর্যার তর্ম বিষ্ণার্ক্তর প্রতার্ক্তর প্রতার পর প্রতার পর প্রতার পর প্রতার প্রতার প্রতার পর প্রতার প্রতার প্রতার পর প্রতার পর প্রতার প্রতার প্রতার পর

আগমীন্তামত প্রত্যার পর প্রত্যার প্রত্

শ্বর্য প্রত্যা প্রত্য